

हानुकायाः तुमिः युयाहि ॥ १ ॥ तसः तमह मकः अनं
 ॐ श्रीं ४ रु ग मा पि ठि कायः सर्वविद्यापशनायः सर्वप्रदवत
 ॥ २ ॥ सर्वग्रहदायासाकायः सकलमातृकनायः ॐ डं वलिग
 ॥ ३ ॥ २ ख र वा र ग हि २ः ॐ डं त्रि वि न म त्मा द्यो दिः स वा कल नं स हि म
 ॥ ४ ॥ धृ प दि यः पं स प रा त व ति व पु रि ग क ताः ॐ डं उ वि वू व त्या प
 ॥ ५ ॥ रा यः दा य तं स र्व वि द्या प सा न्ना थं ॥ ६ ॥ नि कृ त् पु र्विं कृ त् कृ त्

आशा मरुति

ASHA ARCHIVES

2638

२ इत्युसं गुरु न क कः ॐ वयं वा दय रुह

रु न सा हा थन ॥ य व प हा ल य का थन थन ध गृ ति हा पु का या य कु न था
का य क ॐ क क कं ड न रु रु रु ॥ ॐ व व वं ध न रु रु रु ॥ ॐ र व र वं उ न रु
रु रु रु ॐ य य य का य रु रु रु य धा य व त य का य य थ न डि गृ व ति वि
यः सा न ग न क कि ग न क गृ त य का द रि ना य का रु मा य न व हा य
क व ति का यः ॥ ॐ ति उ वि रु व ति वि वि स मा य रु
ॐ न मा न न इ म य न मा व का य रु म हा रु विः मा रु वि वि व व ति

निः क्रा मा ति व वि रु न वि रु व ति य न व्या तिः रु का य नि ग था रु वि
वा रु का म वि रि रु नि नि ल न न म हा ल किः रु व ग म स म वि नि ग
का ग म रु रु म हा त गि नि रु रु वि रु वि नि ग थाः स रु रु वि रु रु रु
द वि न म रु रु का गि नि ग न रु रु ॥ २ ॐ न म रु व ति का यः ॥
व रु म निः व रु रु पि पिः व रु रु त्व वि रु रु निः रु रु ग वि रु रु
पिः व रु रु ग य रा य ती रु रु रु वि रु रु रुः सा म रु पि वि रु रु रु
य रु रु रु य मा रु रु व रु रु रु रु पा नि नाः पि रु रु रु रु रु रु रु रु रु रु

शिवि ग स भनाः वि ताव हा व स उषूः वि ग ग धान न य नि उ व व क हा व स
 य मा ग र तु व सि निः वृ व वि ० रि ता न ह्यः व क स [की भा भु त ॥ १ ॥
 मा ह श्व वि म ह मा याः मा हा मा या न वः क निः म वि रु व य रु मा न द्याः म हा रु क
 न ना द निः हि म म की नि रं द हः क पा न क ग हा व यः ति हा व नि ग्रि स न
 वः श्वा रु स प्र क म नु रः ना सा का न श वी गिः इ ही न न व न य द्यः ॥ १ ॥
 धि रि ति वि ना मा र्थ स र्व व्या पि स प्र श्व नि ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ ॥ १ ॥

४४ मां गिह्य गं वन्तु यत्रिधानाः सुकारुज्जनं रविगः वनस्यां महा रं
तावद्वरुनिवासिनिः उग्रनायां सिन्धु गार्ग्यमल्ह ४४ त्रीनभाम्भुतः २
वत्ररागमहा रन्तीः कामात्रिभक्त्याचनिज कवसुयत्रिधानः
सिध्नावनविग्रमहाः वन्तु रं प्रांविधिः सिद्धिपागधनादुहः कामा
यत्रमद्वः मय्त्रायत्रिशुशितः वक्तवन्तु सुहृत्तागिः नकमाह
विगाः की वय्या समहा रगः वद्वरुनिवासिनिः सुहृत्तागिः न

नियः काजत्रिचनभामुतः ३ ॥ वषूवीविषूमाचः ५ ॥ यैर्नि
कनः रुति तस्य जनकीगिरिः ॥ गनदयनिसुसितः ॥ शेषचक्र
गदरुताः चन्दु वारुविरुसिगाः ॥ न कंजात्रमाहाकिदाः ॥ नानानक्रवि
रुषिगाः ॥ रुतिनपुष्पगन्धः ॥ शदारुतिनपानीतिः ॥ सुगुमयचवन
रुतिनपनरुसिगाः ॥ बृहहसहस्ररुगः ॥ कडववसुवासितिः ॥ निरुति
वि० नमः ॥ नानागतिनममुतः ४ ॥ कनाहिद्यानत्रपिचः ॥ न कक

लिमहादतिः ३ ॥ कनात्रगतिनः ॥ वकानकनाचनाः ॥ कयानमन
रुननाविचिग्रपुष्पः ॥ रुतिगाः ॥ माहामहिषमात्रः ॥ रुतिगपिसुमय
रुः ॥ मिनाकनकलिकडकुः ॥ सनारुननरुमिताः ॥ गिनगुडतिनडरु
इरुदयाविनाशनः ॥ नकावकमहाकः ॥ चगुवुरुसमाश्रिताः ॥ यामा
पि० रुतिगानियः ॥ कात्रपिनमामुतः ५ ॥ ॥ मकं ध्वनिमरुममाही
रुक्कमात्रविगुहः ॥ सुनध्वनिमहादविः ॥ वासुवौहकात्ररुषितिः ॥

च नु रु मा वि षा ता विः च उ र्ध न वि धा त्रि तिः म ह व द ध न ष विः कि
ता न न व ति ग दः न ना य अ न ता ष विः स र्वा त क न र वि ताः ता न न
वि ति कृ णि गिः न ना व मु वि ना जि ताः व न स्या म हा र णः अ ध्व रु वि रु वा
शि नीः ना ग यी ० सि ता नि यः ष क ष वि न मा मु तः वः च म उ अ च
दि का च लिः च ल व छी शु धा त्रि निः च ल द ह स च ल ह्रीः य च च ल
च उ ना शि निः उ द ष क ह त न ग का गीः क पि न क ष कि षा ड त्रिः क षा गी

रि ष ती मा षः रि द्वा स त ल रु व तीः म ह व ता स मा न र णः रु द न व
रि षा रि ताः अ ति च क म म ता चः म य स म ग धा त्रि तीः का णी क पा न रु
सा षाः व न द र न न र वि ताः न न च म व ता ष विः वा पि च म व ता क
तिः म लु मा ता ध न ष विः रु न र न र वि ताः रु न र न र स वि च
अ त्रि ह न स द्रा पि याः स ह म स र्वा श का सः ना म क य प ति सि ताः
हा त मा त क ता ष विः ग दि न दि स म प र णः स त व ता त द्रा ज कि

नृपिनिःत्वं भव सर्वशक्तिः त्वं भव विष्णुशक्तिः पी० ६० त्रिमहादेवं
देवकमहात्मनाः रत्नवलीवर्णं प्रादुः धातुगं लिखन्तु विनः निनरु
न निरुद्धः महाकाय महात्मनः नानादुर्गसमाहूः नानावम्
धनदुःखः किलाचनमरुतकाः ॐ गिरुयुः सप्रयुक्तः रुद्रनाम
शशसुचः द्वावागिरुयुः सप्रयुक्तः गिरुलभुवद्वाग ॐ उमन्त
रुमिधुतः पात्रिकातं कामूर्कं वाः स्वगचम्भपत्राशुः वासाकुसुधनाद

वीः वरुशुविगदाधनाः कपात्रकफिकाचकः गदाधमावगयमः उ
दकनातवडनिः श्राघुचम्भकठिवताः शार्ङ्गकात्रनमर्षाङ्गाः नतासिध
व्याहमरिताः शापमानाधवाङ्गविः कपात्रतलितार्तमः रुद्रमनि
महातडाः कपात्रचन्द्रलवर्तः महायगाशुनानिर्णयः नृपमानासदा
पियाः सर्वदिनस्वतन्त्रः चतानिर्णयः सर्वनिर्णयः चन्द्रः वासुसिगानिधयः
जुष्टप्रतिवासिनिः शुद्धमूर्तिरुतादवाः शुद्धदुःखागिनीरुताः

रुद्रपि० सि० गानि० रुद्रकात्रक कर्तुं वीररुद्रन्तर्भा मुक्तः जमीता
गन्तुं नृक्षवः चन्द्राथ कापुर्लवः उत्तमं कयातलीषमं र्हात्रलीष
ननाथः र्हात्रक्षुक्षुचर्लः लवाक्षन्तर्भा मुक्तः सुसुम्नसा वि कालः
सुसुत्रपिष्टविष्टाकाः सुसुकायश्च वर्तकः दिव्यान्तरुसिमाः इन्द्रादि
रुद्राद्यातवः रुद्राद्यवचतुष्टयः यचमरुद्राद्यातवः रुद्राद्यवचनभा
मुक्तः नाथ नाथमाहनाथं० आदिनाथं महात्मनः० एनासिद्धिनाथ

ॐ नमो नाथनाथमाहनाथः रुद्रनाथ चपि यच्छिपनाथमाहात्मना
युतथचरुतचः वरुक्षनाथनाथमाहनाथः त्रिनाथानवनाथचः श्रीः
नाथनाथमाहनाथः सफाविश्वतिष्ठियवः श्रीनासिद्धिनाथमाहनाथः
सर्वनाथसिद्धिनाथः र्हात्रावकुत्राकुत्रः यागसद्वथावात्रः गत्स
वैचनमाहनाथः रुद्रकाकात्रकिकात्रयः यथयनिनतामृथाः पथि
त्वा सर्वसत्तानां पाप्मातिष्ठियमरुमः० नाथयद्रुद्राक्षिन्नानः

[illegible]

ॐ नमोऽग्रे वरु सत्वायः॥ वरु च न वि धी न च शत याः थ न जा त क
ता न क ता न ना च क धू न का वः था प नाः धू डा वः पृ डा रु ड ड प क धू
डा वः गृ न् मं ड नः दि गृ निः रु व तः धू डा वः ग न स म्मा हा का तः॥
म त पृ डाः कू रु ड सः डा क पा डा सः मा हा नि रु यः धू डा वः॥
व त्रि क म ड यः ॐ नमोऽग्रे ४ च न्द्रि का यः म म्मा हा स रु य मा यः
४ वि रु रु ल म्मा ४ ४ वि रु रु ल म्मा का डा सिः धू र्ण प्रु ता नू र्ण नि रु ४

उ च आ ग वृ वि ध्या न पृ थ्व न भ्रा म्भु त ॥ ७ ॥ ध्या न ॐ ह्रीं श्रीं हूं म हा
भ न् वि द्या सा य हूं २८ ८ सा हा ॥ १० ॥ धू य ॐ स भ्रा गि नि सि धि भ्रा क उ व
त न र ॐ आ य हूं २८ ८ सा हा ॥ ११ ॥ धू य ॐ स भ्रा गि नि सि धि भ्रा क उ व
ॐ उ ग न न्भु न म ८ सा हा ॥ १२ ॥ ॐ चं नि का य न म सा हा ॥ ॐ सि धि भ्रा गि नि न म
सा हा ॥ १३ ॥ य च य हा न पृ थ्वा ॥ १४ ॥ मा न्दं व द्म स का र्श ८ ॥ ख ग दं त क
वि द्क ८ का म न्पि नि म ह ८ वि ॥ उ ग च य न न भ्रा ॥ १५ ॥ व वि ॥ ॐ

हिं ॐ ह्रीं हूं ८ मा हा भ न् ८ वि द्या सा य हूं २८ ८ सा हा ॥ १६ ॥ ॐ गं ग न य नि य
न भ्रा सा हा ॥ ॐ सूं धा य न म ८ सा हा ॥ ॐ मं म हा का न य न म सा हा ॥
पृ थ्वा ॥ १७ ॥ ग न य ति ८ य ह न व ॥ ह न व वि द्य नि ना क्षा वि ना य कं ॥ स व
वि ग्नि ह न द व ८ ग द व का य न न म ८ ॥ धू नि ग न सा ॥ १८ ॥ कृ मा न य न म
८ व ८ म य ना य त्रि सं स्ति त ८ नि र्ग कृ मा न स न्प या य ८ कृ मा न य न म सा हा ॥
धू मा धा न र य सा पि वि क ता क ति ८ न य क ॥ धू मा द व ८ वा न्छ ॥ मा हा

का न न मा म्हा हः ॥ ७० ॥ एव स कि त न कः सु धा य र्ग ५ गे व रः सु र्ग क वि न्द्र क
व क्रा अ वा रा र्थ ५ विः धा न धा अ न मा सु ग ॥ ७० ॥ धा नः ॐ हिं ॐ हः
य र्था ग स्या वि द्य ना ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
वि ४ व क्रा अ क अ व ग २ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
य नि वि ग व धु र ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
गं वः अ व न र अ स्या ४ अ क स ग क म ल न्ध रः ५ अ न्या स ४ ॥

ॐ हं हं व क्रा अ न मः ४ स्या ४ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
व क्रा व र्ण न मः ४ स्या ४ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
य ह न य ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
वा ४ स्या अ वि द्य या ग वः न म ग ह स व हि निः ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
न वि द्य स र्ग ४ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
गि य वि क र ४ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥

साहाः १२ थनउग नम कि गन क म न ॥ ॐ मरु पृत्तु क पा न च ॥
नय न ह न गि डि म हा दा ना वा हा या इ वि धान पृथ्वी न भा सु गं ॥ पा न ॥
ॐ श्रीं ॐ हं ॥ ४ का ना गि नि वि घ्न ना सा य हं २ रु ढ सा हा ॥ धृ य ॥ ॐ क
सा अ ति हा उ हा ४ अ न न २ शा यं हं २ रु ढ सा हा ॥ धान ॥ मा हं ४
नी ६ ग व र्ध्म व म वा ह नी ॥ न क व का ॥ च न रु दा ॥ म न र सा र्था
वि नू या तं च ॥ अ य न र सा र्था व न व गि सु तं ॥ ॥ पृथ्वी आ स ४ ॥

ॐ रु रु ढ ॥ ना ज य नि य न म सा हा ॥ ॐ दि व र पि नि म सा हा ॥ ॐ रु रु व द
न म सा हा ॥ ॐ ना ड च कि न म सा हा ॥ प च प हा न प दा ॥ ना सा ॥ ॐ ना डा
य धि व म सा र्था ॥ ६ ग व र्ध्म सु ध्म रि ना टा ॥ गि सु न पा ट रु र्मा च ॥
म रु ६ नि न म सु गं ॥ ॥ धृ वि ॥ ॐ क का न वि रु स रु गं ॥ उ न न मा रु ६ नि स
व ६ ग ना ना सा नि क रु या कि क रु स मि सा हा ॥ ४ ॥ थ न अ ग न म कि
त न ॥ ॐ न म का ना नि य न म सु गं ॥ वि के ॥ १ गि रु र्मा ॥ रु य गि रु य म

नि नः कुमा आ हा हा कं वि ध्यान या स्य न म स्तु तं २ य नः ॐ ह्रीं मूं
हं रुः ॐ ह्रीं मूं ॐ वि धु ना सा य हं २ रुः सा हाः ॐ व
का मा तिः उ मा ना कः ॐ व न न र ह्यो वृ हं २ रुः सा हाः ॐ
का मा तिः न न न न म गु ना वा हि निः न क म् र्वे नि न ना च पु र
जा हाः ॐ न र जा हाः ॐ वि इ प्रा ग्रं च ॐ व न र जा हाः ॐ कि क
नि व नः ॐ अ न्ना राः ॐ रुः का मा ति म् न म सा हाः ॐ वा घ रं

[illegible]

हि म ना क स क ति व नि य म ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
य हि न स कि न म : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
म आ ग्रा य म र ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
ध्या न वा र्ध न म स्तु त : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
वि द्या सा य ह ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :

क ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
क ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
म त र का र्था वि द्या ग क ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
त नि य ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :
ना ग ना य म न म स्तु त : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि : ॐ इ व नि :

नमो ह्यः ॥ यच्च लक्षणं ॥ ॐ ॥ आय निविग विगारः
यकात्र विरुसं सू वासायुषा विइ पातं च ॥ ॐ ॥ अरु समसा नः
निना सहि नायः य विमः ॥ ॐ ॥ आय नियहं ॥ २८८ सालः **वविः**
ॐ यकात्र विरुसं र गः ॥ तीना वरुस सहि नाय ॥ ॐ ॥ इव त्रिग ॥ २८८
सा निग सा ॥ २८८ सालः ॥ **वायुधसकि ननकः** ॥ ॐ
नगा वायुवः वायुधस वकात्र विरुस वि का ग र गः ॥ २८८ सालः ॥

नमो ह्यः ॥ सी म् ॥ ॐ ॥ इव न व रः ॥ वायुधस किना ग र गः ॥ २८८ सालः ॥
ॐ ॥ यकात्र विरुसं र गः ॥ तीना वरुस सहि नाय ॥ ॐ ॥ इव त्रिग ॥ २८८
सा निग सा ॥ २८८ सालः ॥ **वायुधसकि ननकः** ॥ ॐ
नगा वायुवः वायुधस वकात्र विरुस वि का ग र गः ॥ २८८ सालः ॥
ॐ ॥ यकात्र विरुसं र गः ॥ तीना वरुस सहि नाय ॥ ॐ ॥ इव त्रिग ॥ २८८
सा निग सा ॥ २८८ सालः ॥ **वायुधसकि ननकः** ॥ ॐ
नगा वायुवः वायुधस वकात्र विरुस वि का ग र गः ॥ २८८ सालः ॥

ॐ ॥ यकात्र विरुसं र गः ॥ तीना वरुस सहि नाय ॥ ॐ ॥ इव त्रिग ॥ २८८
सा निग सा ॥ २८८ सालः ॥ **वायुधसकि ननकः** ॥ ॐ
नगा वायुवः वायुधस वकात्र विरुस वि का ग र गः ॥ २८८ सालः ॥

[illegible][illegible]

ॐ महानक्रिष्णवनाः नृकमायाति नृताः सिंहवाहिनिः चतुर
क्रामनरक्राशाः विहयार्गचः अत्ररक्राशाः पञ्चमगध
ननिः पाञ्चन्यासः अक्रवन् ॥ ॐ हृदहमा हानदीनम
साला ॐ हिवसह नवाय नमसाहा ॐ चडिहनाय नमसाहा
ॐ मह ह्वनाय नमसाहा ॐ रिहासनिनमसाहा ॥ यवयहानपुत्रा
पुनिः ॐ ॐ सा नमहानक्रिचः ॥ ॐ का न विहसहवाः साधु धावी

इयागचः नमस्कृतिहवाहानीः वलिः ॐ नृसानवन्दिहविः
प्रभुवन्मयः उवनिः ॐ ह्रस्वरवखाहिर सवसातिः ॥ श्रीक
रहृरुहसाहा ॥ ॐ ॥ अत्रः डिगवहिविमः ॐ ॐ नृमस
पाधियनमनमसाहा ॐ ॐ ममायुगाधियनमसाहा ॐ वत्र
नामहृगाधियनमसाहा ॐ ॐ सा नायरुगाधियनमसाहा
ॐ ॐ नवातिनाह साधियनमसाहा ॥ पविः ॐ नवाय व

पवनः पविष्य नमो नमः स्वाहा ॐ अचमनं नमः स्वाहा ॐ
 ॐ हूं सूर्य्ययमः स्वाहा पविष्य नमो नमः स्वाहा ॐ नमः ॐ वक्राहं स्वाहा कावि
 पविष्य नमो नमः स्वाहा ॐ ववश्च धनायः शर्वहाकनारु स्वाहा नमः स्वाहा
 ॐ रुद्र रुद्र वमसि गिष्मः ॐ स्वाहा पविष्य नमो नमः स्वाहा ॐ ववश्च ॐ स्वा
 हा सवतागः स्वाहा पविष्य नमो नमः स्वाहा ॐ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं रुद्र स्वाहा ॐ
 रुद्रि नमः वनि विमः ॐ नमः विज्ञानकवति ॐ द्या नमः

[illegible]

२॥ मय दुनि वसति कृता यनद प्रचरता नय च ॥ मवाकया श्रुत विम
द प्र च ॥ न ग न व ॥ स व षु क व स नि ॥ ३ ॥ स नि न स स वा मु च स ग म
४ ॥ त लो न य वा पि ष ग पि वा रा ॥ वा पि ग ल त ष च य ल व ष ॥ क थ ष
दि य ष ॥ अ ल न ति ष ॥ ४ ॥ क ग म धा ष ख च का न ह ष ॥ ५ ॥ आ न
य ड व ग ह ष य च ॥ वि हा न व आ व स धा स म ष म थ्य ष सा ता स च
क र ता नो ॥ ५ ॥ य र ग र ग वि ष ग ह व स नि ॥ क र वि क र म हा य ष
॥

२॥ अ ल स म लान ष ॥ ६ ॥ शि ह ष व स नि आ ता व म हा ग वि ष ॥ स्त्री य
३॥ सु दि आ च क ग व ॥ म प्रो स म ड न म व स नि म च सा न ॥ ६ ॥ आ य
स च ग ध मा ल्या ॥ ध र व ति दि य व ति वि धि र ॥ पु ग ग क नु र क न
पी व तु च ड ॥ ० ॥ ड च क म म्भ र ह श गी तु ॥ ७ ॥ ० ॥ ड न र व वि स
रु ड व स र्ध ॥ ० ॥ म व ति ॥ ग क नु म वि षि ष ॥ आ य प ति वा म ध न
धि प ष ॥ ८ ॥ ० ॥ सा न र ग पि य ति च ड स वा ॥ स उ क व ड क पि ता

[illegible]

नानादि ग्रंथः ॥ चामुद्रि ॥ निरीरुद्धिः ॥ उमाङ्क विरह सरुवाः
 ॥ १४ ॥ अगावैव विरहमाच ॥ अजिना ज्यपनाप्रिदुः ॥ रुडका
 निमला मुनका हितुषागीमि ॥ १५ ॥ ॐ दिवदिद्या विदुष्टः
 कदाक्रिनि यि अदिन्यागाम वारिगधा गिनि ॥ १६ ॥ धानन
 यानल्लर्या ॥ १७ ॥ कयातमात्रिन्या ॥ १८ ॥ गमम
 रुडिका ॥ १९ ॥ खगरुक्ता पनधुहस्ता ॥ वक्रहस्ता पननधा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

वासक ॥

2638

वि

कत्रात्रः ॐ ह्रीं उग्रसङ्कः रुग्गवतिवत्रङ्कविः सिद्धि रङ्कनम
उरु ॐ ॐ ति ह्रीं उदि काष्टवनी मायः ॐ
ॐ नमः ह्रीं वज्रसत्तायः नकसः वाधाववनकक्रः मिमादनः
उनिवसगनतिमकः इह नहायकः अर्थयाय थायसः वच
चात्राथितकः वासनयायः चगहाहयाङ्कनः आकिगस्यः
चतुमडनथायः आनरुगयः अनमग थापनागामः वाधान

आक्रः अदखवसगयः एकारः इजययकः कात्रनकायः दान
यतिरुद्रमानस्य तर्गसततिः थापानतिपापमावूननिमि व्यत्य
नः नृद्वयस्य र्गनससुरयामिहैः थनृग् नमदत्रङ्कनकः धडावः
सङ्कङ्कवृजायामक्रसकनसः ह्रीं नग ह्रीं ३ स्रङ्कङ्कवगारुगहा
तकस्ययाआदि अद्वयतिष्ठसाहाः ॐ नमः ह्रीं स्रङ्कायनमसाहा
१ ॐ स्रङ्कनायनमसाहाः २ ॐ आदि थायनमसाहाः ३

[illegible]

नामसंभूतसंकोशः पद्यमंगलसमयः सफाधसमाकृतः
वक्रसंभूतसमाग्यः ० ॐ कृदय स्वातसकतः २० नयका
दित्रिविधः सतानसयः २० निरुक्तनमागितः २० मयाः २० ग
नायनमः २० विविहागतिः २० गङ्गा २० गङ्गा २० सतानकेधनेः २० कुमा
नकुनसहकुमारिगङ्गनमागितः २० बुधयाः २० गङ्गा २० सनाधिनि
जातिः सचत्रायकनः २० कनपमासनरिक्तसुख्यः २० हादिनिनमागि

हं वृहस्पतिग्या ॐ वाचसं नमः शुभं वानादियुक्तं ॥ साक्षा
तं काचनं यं रं ॥ तस्मै यागा रुपा निरुं वाचसं नमः मिहं ॐ शु
क्रं यनमः तानासाकुरु संश्रय ॥ शुभं तं पुत्रं साचनं ॥ कुरु कुरु
मं किं रुक् ॥ ॐ यगु नमः मिहं ॥ ॐ निचतमा नमः ॥ द्वि
मि ॐ सुसुता नं नाना रूपा कने ॥ मगु ॐ कुरु कायच विधु नं
नमः मिहं ॥ नरु नमः ॥ षर्गा या सकतं वगु ॥ कायार्चय

पुं रुक्मते ॥ विविग विगु कुरु ॥ ॐ निरु कनमः मिहं ॐ शुभं
नियनमः १ ॥ रुक्मते नियनमः २ ॥ कुरु कायनमः ३ ॥ साक्षि
नियनमः ४ ॥ मगु ॐ निरायनमः ५ ॥ ॐ अदिगाने कवा
नः ॐ ॥ यन ॐ वः ॐ नमः शुभं यन नगतिग्या ॥ कुरु यथा
आशु ॐ कुरु निरुं ॥ वि काम निरुति ॥ पतमू नमः
धः ॐ निरु नमः पति ॥ पतय ॥ आग्या ॐ ॥ आरु धातमः ॥
ॐ

मिह गुरुव कडा गिके क गुरु सुन प्र का रनि केन मा स वै प्र
था म् अ म् गति रु गति ५० आ य अ द्वा य गति रु गति
५० आ य अ द्वा य गति क सा दा र स र व य सा १० सि ध त च य
स न ग न क गुरु य सा इ रि ता आ सि वा ड त न न डा व
स ग न वि य १० २ सि न त का का य गा त य त्रि या त
स म स्र था य न गा म ध न का व न स र स र्ग य गुरु य ता

यु ६ डा व य सा रु ड ड य क ६ डा व गुरु मी तु न
दि ग र ति गि स म धि रु य गा ध डा व क स य सा ध डा व का
मा नि य सा आ धा य स्य न रु त दि स र ड ग र ति रा व ना या ग
थ नि व दि ग र ति व त्रि वि य थ नि व थ का ति स्य न व ड क य
क न ध र्म र स र व पा न थ र्म र या व स र ति क र्म र गुरु
म ड न ड न क ध डा व वि स रु न या य थ नि व य द र्म या

कृष्णैर्नः सद्य विवर्तः विवित्रिकाः कंदिकायां गुरुत
ह्यायः गम थायुड द्याव कायः ॐ वा विवित्रिका मिहिक
कृष्णाय सर्व सत्ता थुवि दह्वाय था नगाः गच्छ धुव स विखय
नयाय गम नाम सः ॐ धर्म धा उ ग र खाताः ० र खाता
वा ॐ गत्य वृत्त धा स्य ता हा थः था कृध वरुः धनत ध्याः
श्रवः दिन रु सव ह्याय श नाः वृत्त दृत्त सकः न्यसः ध्यु

नासः रुमाः थुविवर्तः नि कास्यः य सन इय मा नः
गुरु वावः रण वि सि श्र मः दिन म ध्या या नाः थुव रुः धन
तयः था कृध कः रण कि सिध सः श्र वनः नामः रि कः
श्रवना म वरुः उ वा सि क ना म ध्या यः रण सिध सी ना धन तय
मा नः दि था य डान काय मा नः विवत्रिकाः थन वि स रु
नः थुनिवः नि ना रु न या यः म ना ख न ना खः म न रु

मयनावावनयियायिया २ रु नि कालिगनमानिकनः ईइ
 नूवाऊयीयायिया ॥ ॐ ॥ वउसमकसुनीसीह्लाः कपुनला
 वनययिया २ मानिया ॐ धननयनिकनः तदिवानुसाऊ
 यियायिया ॥ ॐ ॥ यखनषतकनकः श्रद्धासुद्धनमूनि
 ययिया २ नीलसुहृजगवडावयी ॐ तदिऊसनावनयुन
 माभिया ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ गगमापनी ॥ सहऊसनापुव

सह
 ॐ

हपुवनाया २ तिह्वननाथः ददिविनासाः रुऊयिमान
 मः गुरु रि ककर कमनकलिसः आगमशवः ह्ला नस
 पुयिनिः दविवीसु थायिनि २ कुदठिनमनाः माहसु
 खदाता ॥ ॐ ॥ उद्धिषदनापुवि नपुयिथ २ वानविइ
 चक्राः रुदिनयय ॥ ॐ ॥ गुरुयसादः जनुकनकुय
 २ दहीमतापनः संसापसुदय ॥ ॐ ॥ बागप

यसु
डि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

वननशीनाशाहानचननकुमनवदित ॥ क ॥  ॥

१४ वि. शन वनविनासयिकयि ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

सिमा ॥ ११८५ ॥ उ थ रु रु ना धः करु हा क वा प्र २ रु प्र जा नि ग
न नी ता व हूः व दि प्र ना च पि प्र रु ग र नि वा सि मा प्र ॥ ०६ ॥
उ थ रु ना हां शा स व न व रु वा ना हि २ प्र रु ग र नि वा सि मा प्र ॥
॥ ०७ ॥ थ न रु स मा न ॥ ०८ ॥ स व प्र या ग व रा ती ॥ स व ता था ग रु स
ता न म र स व ध मा ग न न मा ॥ ०९ ॥ स म रु नै म त म र स ता ध मा ग र
रु क ॥ १० ॥ न च आ वि रु ध क ॥ स म रु रु ड वा वा जी ॥ रु स म रु

२ क ॥ ग य ड च रु रु रु रु ० ७ ॥ न त थ ड व न य रु व रु म य न त व स व रु
नै म त म र स व न रु न स य रु ॥ स व न रु न न रा ती ॥ स म रु रु ड का या
जी ॥ म ना म रु नै म त म र स व स रु ना म रु सि दि ॥ शु रु व कि ति नि
म नै ॥ स म रु रु ड वा वा जी ॥ धा व म रु नै सा न थ ॥ १५ ॥ न ना ध वि
रु ध क वि रु या रु ॥ च रु दि या व ति ॥ स रु रु का म ना थ न ॥ सु ठि न न
रु ॥ शा २ रु म रु ग या स्या शा नि या न म रु प्र वा रु कि रु रु प्र रु रु मि
स रु रु का म ना थ नै ॥ स वि न म रु ॥ शा शा न वि ता रु वि रु स न
न नै ॥ मा नि ग न ॥ पि रु ति शा २ मा रु ना रु पि ना रु ॥ शा शा रु य

विभुमनः सुवदस्व गासिद्धिपुतापः कामनाथनः नरुनक्रिस्थिन
मरुः ॥ १ ॥ किंतिप्रविद्धः प्रमकागुरुगिनिः महाविहारा
इसकल्यानकामनाथनः ॥ २ ॥ युथिनमरुः ननंयतिरुशनस्य ॥ ३ ॥
आह्लाताकामनाथना ॥ ४ ॥ नरुनततासिद्धिकामनाथनः ॥ ५ ॥ ॥ १ ॥
॥ २ ॥ वक्रसंवनः वक्रवानादिः मासप्रतिरुस्मीयज्ञागनचक्रमाहा
यानः संवनकारनः निमिण्याथनः सवताथागतासाते ॥ सवता

थागतात्रयः संवधमगमनामाः ॥ ६ ॥ समंदंनमुद्रमे ॥ सवमानपसा
थ ॥ ७ ॥ उथउथरुत्रानयः ॥ ८ ॥ नमः ॥ ९ ॥ गनमेदनायः ॥ १० ॥

गनंइन्द्रदेवकृत्वाः वदरुवानिद्धिमग्नः संकाननययासः ॥ ११ ॥
याः ॥ १२ ॥ गगनगाः प्रसादनमयायः ॥ १३ ॥ नमः ॥ १४ ॥ नमः ॥ १५ ॥
नाथायकः ॥ १६ ॥ नमः ॥ १७ ॥ नमः ॥ १८ ॥ नमः ॥ १९ ॥ नमः ॥ २० ॥
नडाकिनिया ॥ २१ ॥ नमः ॥ २२ ॥ नमः ॥ २३ ॥ नमः ॥ २४ ॥ नमः ॥ २५ ॥

* ३ *

आह त्वानमस्याः द्यागनचक्रायनमः नमस्तु स्यतदनाता
यवैकं ताः पु विज्ञागः गनचक्रमृतमः आगिनिज्ञामंदनैः द
नयानः वरुमि कृताजनः यनिगत्रससिद्धि मृतमः तिष्ठाकैश्च
सिगांसर्वं सैनकैश्चैकैश्च चक्रज्ञाकैः नानाविधैश्च ननक
स्तुः स्वचक्रपुनयति सानताः तथामारुव यरुनि वृधयावृत्तकर्म
कनाकसुनः आस्यामनाह नागमावताः मानः गितः नच वाद्यैः
* ४ *

वनः पृथ्वीः सूर्यविराजः अरुणः नरनरैः यनावनिः धृपः वनिप
तानः नममद्यः यनावसद्यः द्यावद्रासत्वयदः ससातइव
यतिमृतमैः रुधवनवृधः गन्धानिपृथ्व्यचनधृपः नैवद्यचः न
आमिसिनासां ऊरुनिनमस्तु नः नमस्तु दिनवचक्रनाथायाकः
नमस्तु द्याक्षागावतः चक्रनाथायकः नमस्तु द्याहवद्राचक्र
नाथायकः नमस्तु द्याचक्रसंभवनः चक्रनाथायकः नमस्तु ज

कि नित्राभंकाः नमानमः त्रयिनि खड्गप्रामयकः र्गचक्रवित्राः स्रु
 विरनिगनः काकास्यानाद्यः दिग्वानकस्रुः विमध्यत्रिविप्रग
 नमामिहः निश्वसंस्कः सहनरुदविहः उययित्याः पयिथ
 रुतापुरुतैः कशयकाः भनायकाः भनायकः उयसमस्रानक
 वायुरुवतामनिष्ठसंयाः वधकः धमकः संपकः नाथान
 आसुतः सगनचक्रवर्तः सताकनाग्वचक्रनाः विर्यद

तादिः मर्तमः हेतासुनाभानिकताकुमदने नमासुतः
 सगनचक्रवर्तः संपूर्णवद्रगधमनायथायदीः सवदान
 दिनासर्वमनाहनः नवाद्रकिनिहृत्कारुदिनाः चक्रवर्तिवद्रुत
 क्रिनग्रनरुनासुमादीः पुरुषासागनानमः नासिद्धिवनखवि
 रुवयानाद्वतिः नाद्रसियनमः ॐ निगनचक्रमाथासमायकः
 क्षाणाः १३३ २ नागध्वनिः १ वामकननखपनः यामन

वाम
 कनः

नहं रुदिया ॥ १ वक्रकनमलि दिधः मानच वृडसमर विरुंगिनामयि ना
 मना र्चः ह वक्रनायाः निनवन निनं कायिया २ स पावनसुक्रनाः नक
 तति यनायन विकनत सुवडन २ नत्वा तति तक्षिममः ॥ १ ॥ सुनसुव
 डनः ॥ ५० ॥ अशयनसयित विद्यनतव गथासुकाया २ गगनमय
 स वमं ॥ १ ॥ सुन ॥ वडनः ॥ ५० ॥ रुनयिसं रुनवनः वादयिडम
 २ २ रुनयिगयनिः ॥ तिरुवनरुहवः

१ नागरुन विः अडशया नमिगारुवः चव विभासा चव वयमः
 रुतवकात्रियातिः तन् साययिमा हागडचर्मधनः वागहिनुना
 न्ना विगनतः सवनसुन नुसंस्तु २ महासुह निनकन विनासयि
 ॥ १ ॥ गुं ना रुमं म्ना नायाः ॥ ७ ॥ किनितामा खडा गहाय विनिचवडा
 गिति २ चव चव कुचवः ॥ १ ॥ गुगचव ॥ १ ॥ चवडन चवमधनः ॥ ५०
 कामवाकचिनुतियचका २ अथगिनिचवविम २ वाहितरुतावन
 मरुगवः ॥ १ ॥ गितिनिविदिमः ॥ ५० ॥ काकासादि अरुड विः वेने

दाड
 सया
 न

नाना नूतन विमाह २ परहस्य हर प्रकाश गरुड वात नव गान्धर्व नग ॥ ५२ ॥
वाधिया काधम सुख नयिय ॥ धधध प्रकाशी निवदत २ कनन मागत
उनम कुण्डल संवत नारयि सरुजान नद ॥ ५३ ॥ ॐ ॥ जा गगन
वनि अह नार ॥ सर्ववध विवध मानस ॥ विशद निवृद्ध नि ॥ वक्रम लिख व
रुद्रागिनि ॥ ठिकान धतिय प्राचन ॥ नमामि वाचन सिद्धि काशीनि ॥ का
शीनी गन मंदिता २ अति धिसुम सिद्धि काशीनि ॥ विषम न विखदिता ॥
आदि नमद न गज समनेस ॥ दिवमान सु धरिता ॥ च कि कुल न लिखो व

सं व
वै ध

नयन विरुषिता ॥ ५४ ॥ कान्तिक वान मान धुड नि ॥ मकुत कसदि ग
वता २ उदमद खत्ता गंधानि ॥ नल त्रि करु यकना ॥ ५५ ॥ रुद्रा द वि
प्रकु निदान ॥ ५६ ॥ कन विष्व विप्र पित २ रुद्रा चन नलि प्रगत धनिया ॥
अवधु न कलु यागत नमिया ॥ ५७ ॥ ॐ ॥ २ तागंता मकी ॥ सुयति नदिग
मर्दन चका २ उडि प्रचु प्रचक विगर्न २ सुप्रतिनादि त म य मना क २ त
इन गगि तवन नम नाजी ॥ ५८ ॥ य ॐ रुद्रा ल क म ध्रु जगार्थ २ य ॐ
रुता टकु वि रै क दि व ॥ ५९ ॥ यै ग्रहि प्रकु महा सरु नामा २ न यै नि

सु व
म
दि

शि त न प्र त म ना ह ॥ ॐ ॥ अ न क मा म स वि त रि रु र मा थ च ति च
 त अ थ त व च ति च त ॥ ॐ ॥ व ध च ति च त वा ध गु ह ॥ ॐ ॥ न सा नि डा
 न रु ति व या स य र ॥ ॐ ॥ व ध ति क न क हा य ति आ चि त ग न व र्ण
 २ वा धि वि र य न न या वि य ति मि मि दं स क त य भा द ॥ ॐ ॥ न ना रु २
 न ना रु २ न ना रु ३ ॥ ॐ ॥ ध म यो स ग रं का म र्ण यो म
 शो क य र्ण ड क ॥ ना वि ना मि ॥ ॐ ॥ न य ड ॥ मा ग कि न स ड ति व
 न मा मि गो प्र क ति ॥ ॐ ॥ नि ॥ ॐ ॥ नि ॥

न
 ड म

२ डि र क ह म स ति न य ना प्र क त क स डि
 १ व ना २ न ना गा क ना गा वा म क न ग क उ ति
 न क न ति ॥ क ड क र न न वि र रि ग
 म क म ड न म क गा ड न म म र ति
 न मा न स र रि ग स ग म र च न न
 प्र ग त ध ति मा त क वा ना हि अ ति ग
 गा ॥ ॐ ॥ ना ग वी र य ॥ उ डि गा ग न य न व व त ड गा
 व न रो म र का को क क ति गा यो त ड क न र
 म नि सा च ति गा २ अ य वि र क न म क ति गा
 डि न क न म ड न म ध ग गा २ द वा र न न म म न
 मि गा ॥ ॐ ॥ ड ग ध ति अ ति र म य ति वि र
 २ क र ना ग न स म वि क गा ॥ ॐ ॥ ति प व न
 नि ॥ ग र रु ग गा र व क वा ना हि र क ति न मि गा

१ व ज न स धा म ज ॥ क म
 २ क म न व न ॥ स म न स र व न
 ३ स मा धि ग न ॥ अ ड ग य म
 ४ क ति ल म न ॥ डि न र रि ग
 ५ क र व र्ण ॥ न य गा स र्ण क
 ६ क न न न स ॥ स डि ग वि ग सि क
 ७ ध म ग न ॥ रि र व न ड य म न
 ८ क रि स क न ॥ ॐ ॥ ग ति कि न

१ ना ग क कः । न न द य मान । न नि धा न व द न अ मि ना ग म न नि । ख य न
 म द म न । व्या द व म र सि ना । न मा मि न मा मि ष्टा । स ग मा हा का न । इ ति
 न क न नि ध न वा म नि सू न । हा इ अ रु न न र षि ग ड हा । स क न मा न व
 त । इ य नि ह ता । सू न न स व डि त । रु न रु य ह न न । वि षि सि षि व न द य क
 द वा । नि रु व न वि न ष्टा । म हा का न स न ना । ॐ । १ स ग रु म वि । ना न इ क य
 जा थ । पु वि स रु रु ग व न म हा म रु य न म । इ स यी न न व धा वि प ड २ इ
 न म रु न म रु य व ध न आ च य । य न म म ग म य य न म ग र । ५२ । न नि

व रु मा हा मान ल भा ग म । वा धि सि ना म । पा न न ग २ इ रु यि रु रु म हा च न
 न ग र ह । त थ ना न न व धा वि प ड ३ ५२ । ॐ स व त था ग त । पु द न मा न क य
 द्या त मा मि क या व ग र २ य र्था या स डि सि ग य नि व र न । क म न क नि
 स य नि रु न व । ५२ । कु स म उ ड क म रु ना ष्टा नि क म हा । नि न क त स या
 आ वा द व ड २ म का रु न इ प न स न रु य । इ स त न ग ति य ड रु स न
 ५२ । न मा मि न मा मि ष्टा । व क न स व न । ग र वा अ वि रु डि उ ध नि या २
 स ग म र स न न क म न पु ष्टा । इ । अ न न व धा वि प ड ३ ५२ । ग म म य मा थ

इजमानः पुत्रादि न आदि उ सरुमी सुड नि सतः प्ररुमकु
 १ गग ४८ गग म मा गगः म न मा ० नि पुत्र य म थ नि न वि ३ क मा पि
 २ ३ मा ति ग न सु ल त ४८ गग माः वर ॥ रु दि स्त थ सि म ४८ उ दि त सु ना
 हि १ ज न रु स ड कि रु स उ रु का गि निः वर ॥ त डि न सु र पि नि मि
 दु सु ग म मि २ र वि न य व न पु नि न च कुः न नू क न य द कि न क ति ४
 १ ग इ रु व ना खा या य पि य र्वः वर ॥ व ड स क च कु ग म सि ति ना डि २
 २ आ न य स ल व म हा सु ख ड ना ॥ ॐ ॥

व
 नि
 वि
 न
 य
 म
 थ
 नि

१ गग वि हा स मा ० ध न ध ड ध न ध न ध न र ध न य ध न य च कि नि
 प्र १ म ड म ड व ड धि क स म यः क इ न ड ग म वि प्रा व नः वर ॥ क न
 रु न व ड ध म स म य १ व आ ति क के म न व त रु ड ति क रु ति क रु व त
 १ सु स मा क न ४८ त क म न व नः वर ॥ व ड स यी सु ल न त मा २ इ रु म
 म स म न स ड रु म रुः क ति क रु के मा न व त रु न त ना ध क व न व ड व न
 ॥ वर ॥ ४८ ४८ त नि ध र व य न म २ ४८ ४८ त स रु ड स ड त म रु रु हि न
 हि नि न ति रु स म यः का य नि व न्ध न ना च रु ध नः वर ॥ रु डी य रु ध

ध न
 ध न

वक्रकयावाः रुवसमदतशरानमपवायं २ धानक इतरविलज
उत्तराक्षः विडरावनामनसानदशनः आद्यवमनिधसनः नतम
उमात्रा २७ हिवनिरवा ५ मसिद्धि स रू न २ गा वगिसनगः व ३
गुनत्वधनः २४ धरावना स नैसात्र ५ सुन २ बुधधमसासनसद्य
पत्रिवरुनः ७॥ माहीका नगवया ५ स नः ७॥ २ गा नामकमि
गाथः कमनविकासिः गरुति २ धासनः कृमके वियवर्तुसमध
हो २ च पुनवदनकवतय ३ तसन नयय प्रकाशिता १६॥ नमासि २॥

७॥ ७॥ महामंडल ७॥ सकनगरननाम सनगनः कृमगिडहनरुननम
रुमडाः सर्वरुनरुननिधिसागना १६॥ यथमकनछयधतिवद
यं ७॥ मडा ७॥ विगनविना क्रिग २ द्वितिय ऊरुसधनगुनियरुन
रुधः २ च ७॥ वामखगव्यनधना १६॥ उरुय ७॥ रुवा ७॥ वनधमव
पुः २ च ७॥ यवामधुगपुसुका ७॥ ननक ७॥ हितप्रकाशिता ७॥ कितियमव
गुचिवना १६॥ निरुधिविहामिनिधिरुनितः सर्वरुनरुननिधि
रुवपडा २ ७॥ सननसन ७॥ मागतः ७॥ यनमान ७॥ वरु ७॥ मनि ७॥

